Press Release

IIM Raipur Faculty Engages in AACSB Assurance of Learning Workshop to Strengthen Curriculum and Student Outcomes

OR

IIM Raipur Gears Up for AACSB Accreditation with Dynamic Faculty Training

Raipur, October 03, 2025*:* Indian Institute of Management (IIM) Raipur, proudly hosted a two-day workshop as part of its strategic journey toward earning the prestigious AACSB (Association to Advance Collegiate Schools of Business) International accreditation. The workshop marked a critical step in strengthening academic quality, institutional processes, and global engagement.

The session was facilitated by **Dr. Geoff Perry**, Executive Vice President and Chief Officer, Asia Pacific, Americas, and Membership at AACSB International, and **Shri Prathap Das**, Regional Head for South Asia at AACSB. Dr. Perry, an accomplished academic leader with a PhD in Economics, brought global perspectives on accreditation, while Shri Das shared insights tailored to the South Asian higher education landscape.

Designed for all faculty members, the program deepened their understanding of AACSB standards and international best practices. It emphasized cultivating a culture where faculty engaged proactively with student learning, developing clear rubrics and program-level goals aligned with IIM Raipur's mission, and implementing robust closing-the-loop processes to ensure continuous curriculum improvement.

Sharing his perspective on the workshop's impact, **Prof. Sanjeev Prashar, Director-in-charge, IIM Raipur,** said, *"Workshops like the AACSB Assurance of Learning initiative were critical in shaping how we viewed education, not as a static process, but as a continuous cycle of reflection, alignment, and improvement. At IIM Raipur, our mission has been to cultivate leaders who are not only academically strong but also globally relevant and socially responsible. This workshop was a vital step in our commitment to delivering world-class education. Achieving AACSB accreditation will not only enhance the quality of our academic offerings but also strengthen our global presence and partnerships."*

The sessions also highlighted the importance of systematic documentation, stakeholder involvement, and data-driven decision-making. Faculty members explored discipline-specific applications. The focus was on refining Assurance of Learning (AoL) systems to assess competencies such as analytical skills and digital proficiency. Additionally, the emphasis was on measuring professional presentation and ethical messaging, integrating soft skills within the broader business context.

Through this initiative, IIM Raipur reinforced its commitment to innovation in teaching and research, alignment of curriculum with industry needs, and embedding global relevance into its academic offerings. By strategically integrating competency-based learning outcomes with its mission and values, the institute strengthened its academic rigour, enhanced curriculum relevance, and advanced its preparedness to develop responsible leaders for a globalised world.

The workshop demonstrated IIM Raipur's dedication to continuous improvement, impactful research, and global engagement as it moved closer to achieving AACSB International accreditation.

AACSB

Press Release

आईआईएम रायपुर ने एएसीएसबी *अश्योरेन्स ऑफ लर्निंग* कार्यशाला के माध्यम से पाठ्यक्रम और छात्र परिणामों को मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाया
या
आईआईएम रायपुर ने सक्रिय फैकल्टी प्रशिक्षण के साथ एएसीएसबी मान्यता की तैयारी तेज की

रायपुर, **06** अक्टूबर **2025**: भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रायपुर ने प्रतिष्ठित एएसीएसबी (एसोसिएशन टू एडवांस कॉलेजिएट स्कूल्स ऑफ बिजनेस) इंटरनेशनल मान्यता प्राप्त करने की अपनी रणनीतिक यात्रा के तहत दो दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया। यह कार्यशाला अकादमिक गुणवत्ता, संस्थागत प्रक्रियाओं और वैश्विक भागीदारी को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रही।

सत्र का संचालन डॉ. ज्योफ पेरी, कार्यकारी उपाध्यक्ष एवं मुख्य अधिकारी (एशिया पैसिफिक, अमरीका और सदस्यता), एएसीएसबी इंटरनेशनल तथा श्री प्रताप दास, रीजनल हेड (दक्षिण एशिया), एएसीएसबी ने किया। डॉ. पेरी, जो अर्थशास्त्र में पीएचडी के साथ एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद् हैं, ने वैश्विक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया, वहीं श्री दास ने दक्षिण एशियाई उच्च शिक्षा परिदृश्य से जुड़े महत्वपूर्ण विचार साझा किए।

फैकल्टी सदस्यों के लिए तैयार इस कार्यक्रम ने एएसीएसबी मानकों और अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं की गहन समझ विकसित की। इसमें इस बात पर जोर दिया गया कि शिक्षक छात्र सीखने में सक्रिय रूप से शामिल हों, स्पष्ट मूल्यांकन मानक और कार्यक्रम-स्तरीय लक्ष्य तैयार करें, जो आईआईएम रायपुर के मिशन से जुड़े हों, तथा निरंतर पाठ्यक्रम सुधार सुनिश्चित करने के लिए मजबूत *क्लोजिंग-द-लूप* प्रक्रियाओं को लागू करें।

कार्यशाला के प्रभाव पर विचार साझा करते हुए आईआईएम रायपुर के प्रभारी निदेशक, प्रो. संजीव प्रशर ने कहा, "एएसीएसबी अश्योरेन्स ऑफ लर्निंग जैसी कार्यशालाएं हमारे लिए शिक्षा को एक स्थिर प्रक्रिया के रूप में नहीं, बल्कि चिंतन, सामंजस्य और सुधार के सतत चक्र के रूप में देखने का दृष्टिकोण विकसित करने में अहम साबित हुई हैं। आईआईएम रायपुर का मिशन केवल शैक्षणिक रूप से सक्षम ही नहीं, बल्कि वैश्विक दृष्टि और सामाजिक जिम्मेदारी से संपन्न नेतृत्वकर्ता तैयार करना है। यह कार्यशाला विश्व-स्तरीय शिक्षा प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रही। एएसीएसबी मान्यता प्राप्त करना न केवल हमारे शैक्षणिक स्तर को ऊंचा करेगा बल्कि हमारी वैश्विक उपस्थिति और साझेदारियों को भी मजबूत करेगा।"

सत्रों में व्यवस्थित प्रलेखन, हितधारकों की भागीदारी और आंकड़ा-आधारित निर्णय लेने के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। फैकल्टी सदस्यों ने विषय-विशिष्ट अनुप्रयोगों पर चर्चा की। फोकस इस बात पर रहा कि *अश्योरेन्स ऑफ लर्निंग (AoL)* प्रणाली को इस तरह संवारा जाए कि वह विश्लेषणात्मक कौशल और डिजिटल दक्षता जैसी क्षमताओं का आकलन कर सके। साथ ही, व्यावसायिक प्रस्तुति और नैतिक संप्रेषण को मापने, तथा व्यापक कारोबारी परिप्रेक्ष्य में *सॉफ्ट स्किल्स* को एकीकृत करने पर भी जोर दिया गया।

इस पहल के माध्यम से आईआईएम रायपुर ने शिक्षण और शोध में नवाचार, उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप पाठ्यक्रम का सामंजस्य, तथा अपने शैक्षणिक कार्यक्रमों में वैश्विक प्रासंगिकता को समाहित करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। संस्था ने अपने मिशन और मूल्यों के साथ दक्षता-आधारित सीखने के परिणामों को रणनीतिक रूप से जोड़कर अकादमिक कठोरता, पाठ्यक्रम की प्रासंगिकता और वैश्विक नेतृत्व के लिए जिम्मेदार प्रबंधकों को तैयार करने की दिशा में अपनी तैयारी को और मजबूत किया।

यह कार्यशाला आईआईएम रायपुर की सतत सुधार, प्रभावी शोध और वैश्विक भागीदारी के प्रति समर्पण को दर्शाती है, क्योंकि संस्थान अब एएसीएसबी इंटरनेशनल मान्यता प्राप्त करने के और करीब पहुंच चुका है।